हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 16 मार्च 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

महेन्द्र डोंगरे (सुदर्शन सामाज) बने जिलाध्यक्ष

भुआबिछिया। विगत दिनों नगर के युवा महेन्द्र डोंगरे (सुदर्शन सामाज) को जिला अध्यक्ष मंडला महादलित परिसंघ मध्यप्रदेश पद पर नियुक्त किए गया, उन्होंने बताया कि समाज के प्रदेश संरक्षक अशोक मेंडे, राष्ट्रीय अध्यक्ष उमेश पिम्परे, राष्ट्रीय संयोजक, प्रताप करोशिया अध्यक्ष राज्य सफाई कर्मचारी आयोग नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मध्यप्रदेश शासन (कैबिनेट मंत्री दर्जा) के प्रस्ताव, राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष एवं रास्ट्रीय महासचिव चंदन लाल बाल्मीकि क़ी अनुशंसा पर रास्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेश उटमालिया की सहमती पर, प्रदेश अध्यक्ष विष्णु भारती की सहमति के आधार पर महेंद्र डोंगरे को मंडला जिलाध्यक्ष मध्यप्रदेश के पद पर नियुक्ति प्रदान गई, आपके द्वारा संगठन के दिशा निर्देशों एवं अनुशासन में रहते हुए समाज हित में अंतिम पंक्ति के हर व्यक्ति परिवार तक शासन एवं प्रशासन के योजनाओं का भरपूर लाभ दिलाने का पूरा प्रयास करेंगे एवं भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के बताये गए मार्ग पर, एवं माँ भारती के सेवा का संकल्प के साथ, परिसंघ की विचारधारा को आगे बढ़ाएंगे इनके जिला अध्यक्ष बनने पर सभी ने हर्ष व्यक्त किया है।

खदान के मैनेजर सहित कर्मचारियों पर हुई एफआईआर दर्ज

पत्रकार को खदान में बनाया था बंधक

*** आई.डी. को तोड़ा, मोबाईल को भी तोड़ने का किया प्रयास।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले भर में दर्जनों डोलोमाइट खदानों का संचालन हो रहा है। अधिकांश खदाने बम्हनी क्षेत्र में बताई जाती हैं इन खदानों से बड़ी मात्रा में डोलोमाइट निकाला जा रहा है। जहां पर भारी ब्लास्टिंग की जाती है। इस ब्लास्टिंग से आसपास के रहवासी परेशान हो गए हैं यहीं नही ओवरलोड वाहनों से सडक़ों के परखच्चें उड़ गए हैं। तो दूसरी तरफ इन खदानों की नियमित जांच भी नही की जा रही हैं। जबकि सूत्रों के अनुसार खदानों से स्वीकृत क्षमता से अधिक डोलामाईट निकाला जा चुका है। जिम्मेदारों की मिलीभगत और राजनैतिक संरक्षण के चलते खदान संचालक मनमर्जी से खनन कर रहे हैं। ऐसी ही एक खदान की शिकायत पत्रकार के हाथ लगी और जब पत्रकार जांच पड़ताल करने पहुंचा तो उसे फंसाने के प्रयास किए गए और गुंडागर्दी का आतंक दिखाते हुए पत्रकार को बंधक बनाने से भी नही चुके यह पूरा खेल खदान संचालक की सह पर कर्मचारियों के द्वारा किया गया।

अभद्रता ही नही, बल्कि मोबाईल तोडने का भी किया प्रयास

ककैया डोलोमाईट माईन्स में पत्रकार के साथ किए गए अभद्र व्यवहार और बंधक बनाने पर खदान के योगेशराज पटेल सहित अन्य कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। बम्हनी थाना के अंतर्गत ककैया डोलेमाईट माईन्स में बीते माह पत्रकार रामकुमार बघेल (रोहित) के साथ समाचार कवरेज के दौरान खदान के कर्मचारियों ने अभद्रता ही नही कि बल्कि मोबाईल कैमरा तोडने का प्रयास करते हुए बंधक बनाने कोशिश की थी जिसकी सूचना पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा को दी गई जहां से हस्ताक्षेप के बाद बम्हनी थाना प्रभारी और मंडला थाना प्रभारी सक्रिय हुए तब कहीं जाकर पत्रकार को खदान से बाहर आने मिला। इस घटना से पत्रकार जगत में रोष था और पत्रकारों का एक दल पुलिस अधीक्षक से मुलाकात करने पहुंचा जहां पर पुलिस अधीक्षक को अनेक प्रमाण प्रस्तुत किए गए। पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देश और जांच पड़ताल के बाद बम्हनी थाना में संबंधितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

खदान के कर्मचारियों ने घेर लिया था पत्रकार को

पत्रकार रामकुमार बघेल(रोहित)ने बताया कि जब वे खदान क्षेत्र में पहुंचे तो वहां ट्रकों में पत्थर लोड किए जा रहे थे। उन्होंने खदान में हो रही गतिविधियों का वीडियो और फोटो बनाना शुरू किया ताकि खबर के माध्यम से वास्तविक स्थिति सामने लाई जा सके। लेकिन जैसे ही खदान में मौजूद कर्मचारियों को इसका पता चला, वे भडक़ उठे। आरोप है कि खदान के मैनेजर योगेशराज पटेल और अन्य कर्मचारियों ने पत्रकार को घेर लिया और उसके साथ अभद्रता शुरू कर दी। कैमरा और मोबाइल छीना, वीडियो डिलीट पत्रकार के कथन के अनुसार, कर्मचारियों ने पहले उनका मोबाइल और कैमरा छीन लिया और जबरन उसमें मौजूद फोटो व वीडियो डिलीट कर दिए। एक कर्मचारी ने मोबाइल फोन को तोडऩे की भी कोशिश की। इतना ही नहीं, पत्रकार की पहचान के लिए रखी गई प्रेस आईडी भी तोड़ दी गई। इस दौरान पत्रकार के साथ धक्का-मुक्की और झूमाझटकी भी की गई।

जांच के बाद दर्ज हुआ मामला

घटना के बाद पत्रकार ने पूरे मामले की लिखित शिकायत बम्हनी थाना में दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और पीड़ित पत्रकार के बयान दर्ज किए। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने खदान के मैनेजर योगेशराज पटेल और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 130, 127(2), 324(4) और 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खनिज विभाग ने नही की सटीक जांच

जानकारी के अनुसार मंडला निवासी रामकुमार उर्फ रोहित बघेल जो विस्तार न्यूज चैनल में जिला रिपोर्टर के रूप में कार्यरत हैं, 18 फरवरी 2026 को ग्राम पंचायत बीजेगांव स्थित प्राथमिक शाला क्षेत्र में खबर कवरेज के लिए पहुंचे थे। गांव के आसपास संचालित डोलोमाइट खदान में हो रही ब्लास्टिंग को लेकर ग्रामीणों में लंबे समय से भय और असंतोष की स्थिति बनी हुई है। अवैध खनन और अवैध ब्लास्टिंग की सूचना खनिज विभाग को दी गई थी जहां से जांच टीम खदान को पहुंची लेकिन सटीक जांच नही कर पाई कारण क्या था क्यों नही किया यह भी चर्चा का विषय बना है। जानकारों का कहना है कि खनिज विभाग में अपनो को बचाने का प्रयास अकसर दिखाई देता है गरीब कमजोर और बेरोजगारों के ट्रेक्टर आदि पकडक़र उन पर भारी भरकम जुर्माना कर दिया जाता है लेकिन धन्ना सेठ और जी हजूरी करने वाले ठेकेदारों पर कभी कार्यवाही नही होती है। शायद पैसे की ताकत या राजनैतिक पहुंच मसला जो भी हो लेकिन खदानों की जांच होनी ही चाहिए।

ग्रामीणों में पहले से था आक्रोश

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि खदान में हो रही ब्लास्टिंग से गांव का माहौल लंबे समय से प्रभावित हो रहा है। कई बार शिकायतें भी की गईं लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया। ग्रामीणों का आरोप है कि ब्लास्टिंग इतनी तेज होती है कि घरों की दीवारें तक हिल जाती हैं। कई मकानों में दरारें आ चुकी हैं। ऐसे में लोग हमेशा भय के माहौल में जी रहे हैं। कई मकानों की दीवारें कमजोर हो चुकी हैं और लोग हर धमाके के साथ डर के साए में जी रहे हैं। वहीं स्कूल में पढऩे वाले छोटे-छोटे बच्चे भी ब्लास्टिंग की आवाज से घबराकर सहम जाते हैं। इन्हीं शिकायतों और ग्रामीणों की परेशानी की सच्चाई सामने लाने के उद्देश्य से पत्रकार रोहित बघेल खदान क्षेत्र में पहुंचे थे।

पत्रकारों में भी दिखी नाराजगी

इस घटना के सामने आने के बाद जिले के पत्रकारों में भी नाराजगी देखी गई। पत्रकारों का कहना है कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। यदि पत्रकारों को ही खबर कवरेज के दौरान धमकाया जाएगा या उनके साथ अभद्रता की जाएगी तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। पत्रकारों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं न केवल मीडिया की स्वतंत्रता पर हमला हैं बल्कि आम जनता की आवाज दबाने का प्रयास भी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पत्रकारों के साथ इस तरह की घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। मीडिया समाज का वह आईना है जो जनता की समस्याओं को सामने लाता है। यदि पत्रकारों को ही दबाने की कोशिश होगी तो लोकतंत्र की नींव कमजोर पड़ सकती है। इसलिए ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई बेहद जरूरी है ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति या संस्था पत्रकारों के साथ अभद्रता करने की हिम्मत न कर सके।

एसपी की कार्रवाई से बढ़ा भरोसा

मंडला एसपी रजत सकलेचा जैसे निष्पक्ष और संवेदनशील पुलिस अधिकारी को जितना धन्यवाद दिया जाए उतना कम है। मंडला जिले में वे हमेशा से निष्पक्ष जांच, सख्त कार्रवाई और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए पहचाने जाते रहे हैं। पत्रकार के साथ हुई अभद्रता के मामले में जिस तत्परता और सख्ती के साथ उन्होंने कार्रवाई करवाई, उससे जिले के पत्रकारों का पुलिस प्रशासन पर भरोसा और मजबूत हुआ है। यह कार्रवाई साफ संदेश देती है कि मंडला जिले में कानून से ऊपर कोई नहीं है। चाहे कोई भी हो, यदि वह किसी पत्रकार, पीड़ित या आम नागरिक के साथ अन्याय करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। पुलिस अधीक्षक की इस निष्पक्ष और साहसिक कार्रवाई ने न सिर्फ एक पत्रकार को न्याय दिलाया है बल्कि पूरे पत्रकार समुदाय और आम जनता के मन में विश्वास जगाया है।

सिंधी लजीज व्यंजनों के साथ फूड फेस्टिवल का हुआ आयोजन

मण्डला। चेटीचंड महोत्सव के प्रारंभिक आयोजन की श्रृंखला में सिंधी सामाजिक की महिलाओं, बालिकाओं के द्वारा नगर के स्थानीय हाल में फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया। इसमें चटपटे लजीज व्यंजनों को शामिल किया गया। महिलाओं ने अपनी पाक कला एवं अनुभव के आधार पर एक से एक व्यंजनों के स्टॉल लगाए,फूड फेस्टिवल का सामाजिक जनों ने भरपूर आनंद लिया। आयोजन की शुरूआत पूज्य सिंधी पंचायत,मातृशक्ति संगठन एवं समाज के वरिष्ठ जनों के द्वारा भगवान झूलेलाल पर दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके बाद बड़ी संख्या में सामाजिक परिवारों के सदस्य शामिल हुए और आनंद मेले का लुत्फ उठाया। आनंद मेले में पारंपरिक सिंधी लजीज व्यंजनों को विशेष तौर पर शामिल किया गया, आयोजन की खास बात रही कि इसमें समाज के हर उम्र के सदस्यों ने स्टॉल में उत्साह से सहभागिता की। बच्चों एवं बड़ों के पसंदीदा व्यंजन होने के कारण आयोजन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। आयोजन को सफल बनाने में सामाजिक मातृशक्ति संगठन के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

मकान में लगी आग, आठ कमरों का कच्चा घर जलकर खाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पुलिस बल और दमकलों ने संभाला मोर्चा

जिले के निवास थाना क्षेत्र के थानम गांव के मटिया टोला में रविवार को एक कच्चे मकान में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते करीब आठ कमरों का पूरा मकान जलकर खाक हो गया। यह मकान कतनु सिंह का बताया जा रहा है। घटना के समय घर में केवल एक वृद्ध महिला मौजूद थी। आग लगते ही महिला किसी तरह बाहर निकली और ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। इसके बाद ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। सूचना मिलते ही निवास पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। आग की तीव्रता को देखते हुए मंडला और बरेला से भी दमकल वाहन बुलाए गए। दमकल कर्मियों और ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, तब तक पूरा मकान और घर का सामान नष्ट हो चुका था। निवास थाना प्रभारी गोपाल घासले ने बताया कि दोपहर करीब ढाई बजे डायल 112 के माध्यम से घटना की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस बल और दमकल वाहन के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मकान काफी बड़ा होने के कारण आग बुझाने में समय लगा, इसलिए मंडला और बरेला से भी दमकल वाहन बुलाए गए थे। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है और हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

मन का भाव ही सबसे बड़ा तीर्थ-पं. संतोष शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

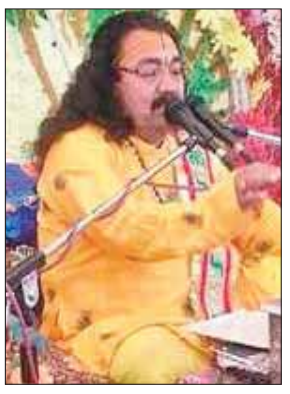

भगवान शिव पापों का नाश करने वाले देव हैं तथा बड़े सरल स्वभाव के हैं। इनका एक नाम भोला भी है। अपने नाम के अनुसार ही बड़े भोले भाले एवं शीघ्र ही प्रसन्न होकर मनवांछित फल देने वाले हैं। भगवान शिव ही मनुष्य को सांसारिक बंधनों से मुक्त कर सकते हैं, शिव की भक्ति से सुख व समृद्धि प्राप्त की जा सकती है। इस अलौकिक शिवपुराण की कथा सुनना अर्थात पाप से विमुक्त होना है। यह बात सिद्धवन आश्रम खैरमाई मंदिर बरगवां सुकतरा में चल रही शिव महापुराण के 7 वें दिन की कथा में पं. संतोष शास्त्री पदमी वाले ने कही। शास्त्री जी के भजनों और कथा ने बड़ी संख्या में मौजूद भक्तों को शिव-भाव में सराबोर कर दिया। पूरा पंडाल 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गुंजायमान रहा। पंडाल में उपस्थित हर भक्त शिव-भाव में डूबता नजर आया। शास्त्री जी ने बताया कि मन का भाव ही सबसे बड़ा तीर्थ है। भगवान शिव की आराधना के लिए कोई विशेष समय नहीं होता, जब चाहो, तब शिव का स्मरण करो, क्योंकि शिव सदैव हृदय में शांत रूप से विराजते हैं। उन्होंने कहा कि संसार के सभी प्राणी ईश्वर की ही सृष्टि हैं, लेकिन मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ है। कई जन्मों के पुण्य का फल है। इसका सदुपयोग करते हुए भगवान शिव की उपासना करनी चाहिए, तभी जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति संभव है। गौरतलब है कि 9 मार्च से शुरू हुई श्रीशिव महापुराण कथा का कल 17 मार्च को पूजन, हवन एवं भण्डारा के साथ समापन होगा।

नारायणगंज में साहू समाज ने धूमधाम से मनाई कर्मा जयंती

नारायणगंज। नारायणगंज में साहू समाज द्वारा माँ कर्मा देवी जी की जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के अंतर्गत वाहन रैली एवं भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें समाज के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत माँ कर्मा देवी जी के पूजन-अर्चन से की गई। इसके बाद नगर में वाहन रैली और शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें समाज के युवा, महिलाएं एवं बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।समाज के वरिष्ठजनों ने माँ कर्मा देवी के आदर्शों पर चलने और समाज में एकता बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विरोध | मुआवजा निर्धारण में अनियमितता, बाजार मूल्य से कम दिया जा रहा मुआवजा।

जमीनों के मूल्यांकन के विरोध में हुई महापंचायत

*** किसानों ने राजस्व विभाग पर लगाये लापरवाही के आरोप।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला-नैनपुर प्रस्तावित हाईवे एवं बाईपास निर्माण के लिए अधिग्रहित की जा रही जमीनों के मूल्यांकन और मुआवजा निर्धारण में गंभीर अनियमितताओं के विरोध में शनिवार को क्षेत्र के किसानों की एक बड़ी किसान महापंचायत आयोजित की गई। महापंचायत में किसानों ने एक स्वर में कहा कि प्रशासन द्वारा भूमि का सही मूल्यांकन किए बिना अत्यंत कम मुआवजा निर्धारित किया जा रहा है, जो किसानों के साथ खुला अन्याय है। किसानों ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत अब तक तीन अलग अलग सर्वे किए गए, लेकिन अधिकांश किसानों को आज तक यह स्पष्ट नहीं है कि किसकी कितनी जमीन अधिग्रहित हो रही है और किस सीमा तक चिन्हांकन किया गया है।

कई स्थानों पर अब तक अंतिम मुनारा (सीमा चिन्हांकन) तक नहीं किया गया है, जिससे किसानों में भारी असमंजस और नाराजगी है। सबसे गंभीर बात यह है कि प्रशासन द्वारा कलेक्टर गाइडलाइन के आधार पर मात्र 2 से 3 लाख रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा रेट तय करने की चर्चा सामने आ रही है, जबकि वास्तविक बाजार मूल्य इससे कई गुना अधिक है। यह पूरा क्षेत्र सिंचित और अत्यंत उपजाऊ कृषि भूमि का क्षेत्र है तथा सड़क किनारे स्थित जमीनों का बाजार मूल्य स्वाभाविक रूप से अधिक होता है, लेकिन इन तथ्यों को नजरअंदाज किया जा रहा है। किसानों ने उदाहरण देते हुए बताया कि धतूरा हल्का नंबर 36 में 31 मार्च 2022 की एक रजिस्ट्री में 0.6 आर (लगभग 15 डिसमिल) भूमि 8 लाख 25 हजार रुपये में खरीदी गई, जिस पर 18,106 रुपये का स्टाम्प शुल्क जमा हुआ है।

इतनी उच्च कीमत वाली रजिस्ट्रियों को मुआवजा निर्धारण के मानक में शामिल न करना किसानों के साथ स्पष्ट अन्याय है। महापंचायत में यह भी मुद्दा उठाया गया कि क्षेत्र की अधिकांश जमीनों में बंदोबस्ती, त्रुटि सुधार तथा डिजिटल रिकॉर्ड में भारी असमानताएं हैं। कई खेतों में बोरवेल, पेड़-पौधे, तालाब, मकान और अन्य संरचनाएं मौजूद हैं, लेकिन उनके वास्तविक मूल्यांकन और मुआवजा निर्धारण में उन्हें शामिल नहीं किया जा रहा है। किसानों ने कहा कि मुआवजा साल 2022 के रेट के आधार पर तय किया जा रहा है, जबकि वर्तमान समय में 2026 तक की रजिस्ट्रियों और बाजार दरों को ध्यान में रखते हुए नया मानक तय होना चाहिए।

किसानों ने यह भी स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया। राईट टू फेयर कम्पेशन एंड ट्रांसपेरेंसी इन लैंड एक्युशेशन रिहैबिलिटेशन एंड रिसेटलमेंट एक्ट 2013 के तहत की जा रही है, जिसमें स्पष्ट प्रावधान हैं कि धारा 23 के अनुसार भूमि का वास्तविक बाजार मूल्य निर्धारित किया जाना अनिवार्य है।

धारा 30 और 31 के अनुसार किसानों को उचित मुआवजा, पुनर्वास और पुनर्स्थापन लाभप्रदान किए जाने चाहिए। इस कानून की अनुसूची 1, अनुसूची 2 और अनुसूची 3 में मुआवजा, पुनर्वास तथा अन्य सुविधाओं के विस्तृत प्रावधान दिए गए हैं, जिनका पालन इस परियोजना में होता हुआ नहीं दिख रहा है। इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा नेशनल हाईवे लैंड एक्काइजर्टेशन गजट नोटफिकेशन अगस्त 2015 के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण के दौरान 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून के मुआवजा और पुनर्वास संबंधी प्रावधान लागू होंगे। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर इन प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है। चूंकि यह क्षेत्र अनुसूचित क्षेत्र में आता है, इसलिए पंचायत एक्सटेंशन टू शेड्यूलेंड एरिया एक्ट 1996 (पेसा एक्ट) के अनुसार ऐसे मामलों में ग्राम सभा की सहमति अनिवार्य है। लेकिन अधिकांश ग्राम सभाओं में इस विषय पर विधिवत सहमति नहीं ली गई है। किसान महापंचायत ने निम्न प्रमुख मांगें रखी हैं कि प्रभावित सभी हल्कों की उच्चतम रजिस्ट्री को मुआवजा निर्धारण का आधार बनाया जाए। वर्ष 2026 तक की नवीनतम बाजार दरों के आधार पर मुआवजा तय किया जाए।

महुआ बीनने गई महिला पर भालू का हमला:पीठ पर गहरे घाव बने, नैनपुर अस्पताल में भर्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला जिले के नैनपुर इलाके के चीजगांव में महुआ बीनने जंगल गई एक महिला पर भालू ने हमला कर दिया। इस हमले में महिला बुरी तरह घायल हो गई है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चीजगांव की रहने वाली चेती बाई रोज की तरह जंगल में महुआ इकट्ठा करने गई थीं। इसी दौरान अचानक एक भालू ने उन पर हमला बोल दिया, जिससे उनकी पीठ पर गहरे जख्म हो गए। चेती बाई के चिल्लाने की आवाज सुनकर पास ही मौजूद दूसरे ग्रामीण दौड़कर वहां पहुंचे, जिन्हें देखकर भालू जंगल के अंदर भाग गया।

अस्पताल में इलाज मदद

ग्रामीणों ने घायल महिला को तुरंत नैनपुर के सिविल अस्पताल पहुंचाया। घटना की खबर मिलते ही वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और महिला का हालचाल जाना। विभाग की ओर से महिला को तुरंत मदद के तौर पर 1,000 रुपए दिए गए हैं।

गांव में डर का माहौल

इस घटना के बाद से चीजगांव और आसपास के गांवों में रहने वाले लोग डरे हुए हैं। वन विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि वे फिलहाल अकेले जंगल की तरफ न जाएं और पूरी सावधानी बरतें।

खबर संक्षेप

जनशिक्षा केंद्र कन्या नवीन में आरटीई आवेदनों का सत्यापन कार्य जारी

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जन शिक्षा केंद्र पीएम श्री शासकीय कन्या नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गाडरवारा में जनशिक्षा केंद्र प्रभारी श्रीमती लेखा कौरव के मार्ग दर्शन में सत्यापन अधिकारी बनबारी लाल नागवंशी, अफसार खान, राजेन्द्र गुप्ता, सचिन लहरिया एवं संजय अवस्थी द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत शिक्षा केन्द्र के अतर्गत आने वाले कक्षा नर्सरी एवं कक्षा 01 में दाखिला लेने वाले छात्र/छात्राओं का सत्यापन किया जा रहा है। बताया जाता है कि इन बच्चों का चयन लॉटरी के माध्यम से निजी शैक्षणिक संस्थानों में किया जाना है। अभिभावक को आन लाइन फार्म निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12(1)(C) के अंतर्गत कमजोर एवं वंचित समूह के बच्चों के निःशुल्क प्रवेश के प्रावधान के तहत 2026-27 हेतु आन लाइन लाटरी प्रक्रिया में शामिल किये जाने हेतु पात्र/अपात्र होने का प्रमाण पत्र भरना होता हैं। तत्पश्चात जनशिक्षा केंद्रों में सत्यापन अधिकारीयों के समक्ष मूल प्रतियों से मिलान किया जाता है।साथ ही आवेदन कर्ताओं का मार्गदर्शन भी किया जाता हैं।

विकास खंड चीचली एवं साईखेड़ा में साक्षरता परीक्षा आयोजित

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की गई। चीचली विकास खंड स्रोत समन्वयक डी के पटेल एवं सांईखेडा संदीप स्थापक के दिशा निर्देश एवं कुशल नेतृत्व में चीचली ब्लॉक के आठ एवं साईंखेड़ा ब्लॉक के सभी जन शिक्षा केन्द्रों के अनेक परीक्षा केन्द्रो पर परीक्षा आयोजित हुई। बताया जाता है कि चीचली ब्लॉक में कुल परीक्षा सामाजिक चेतना केंद्र 174 बनाए गए थे जिसमें निर्धारित लक्ष्य 10000 का रखा गया था जिसमें केवल 6664 असाक्षर परीक्षा में सम्मिलित हुए इसमें महिलाओं की संख्या 3489 और पुरुषों की संख्या 3175 रही । इस प्रकार से कुल 67 % परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। इसी प्रकार साईखेड़ा ब्लॉक में भी अनेक असाक्षर उक्त परीक्षा में शामिल हुए। उल्लेखनीय है की परीक्षा को सफल बनाने के लिए विकास खंड सह समन्वयक व बीएसी पवन राजोरिया, लेखराम गौतम समस्त जन शिक्षा केंद्र सह समन्वयक, समस्त जन शिक्षा केंद्र जन शिक्षक,समस्त जन शिक्षा केंद्र प्रभारी एवं सामाजिक चेतना केंद्र नोडल अधिकारी एवं सहयोगी शिक्षक एवं अक्षर साथियों का सहयोग प्रदान हुआ।

ट्रैक्टरों के दीवाने किसानों को शासन की बैलगाड़ी योजना हुई बेअसर साबित

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जिस प्रकार से कुछ वर्ष पहले म.प्र. शासन ने बैलगाड़ी योजना की शुरूआत की थी जिसके तहत लघु सीमांत कृषकों को पाँच हजार रूपये सागौन या बबूल की बैलगाड़ी खरीदने के लिए देने की व्यवस्था की गई थी...? लेकिन बताया जाता है कि क्षेत्र के गांवों के किसानों को बैलगाड़ी योजना प्रभावित नहीं कर सकी और किसान बैलगाड़ियाँ खरीदने में अधिक रूचि का प्रदर्शन नहीं कर सका था, हालाकि जानकार सूत्रों के मुताबिक उक्त योजना का पर्याप्त प्रचार प्रसार नहीं किया गया था फिर भी किसानों को जानकारी थी कि उन्हें शासन बैलगाड़ियाँ खरीदने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है जिसके चलते भी शायद किसान इसका लाभ लेने से बंचित रहे होगे? मगर इस संबंध में किसानों से जब बात की जाती है तो उनका कहना है कि यह योजना वास्तव में आदिवासी बहुल इलाकों के लिए ज्यादा लाभकारी है क्योंकि बड़े किसान ट्रैक्टरों के जरिए ही खेती करने में विश्वास रखते हैं।

वेंटीलेटर पर पहुंचते हुये दिखाई दे रही नगर के शक्कर नदी सहित सीतारेवा गांगई पुल की जिन्दगी, प्रशासन से लेकर क्षेत्र के जिम्मेदारों की उदासीनता किसी दिन दे सकती है बड़ी घटना को अंजाम....?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा

यह बात अलग है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा इस समय गांव गांव पक्की सड़कों का निर्माण कराते हुए हर साल करोड़ा रूपया खर्च करते हुए लोगों को पक्की सड़कों की सुविधाएं प्रदान करने में कोई कसर नही छोड़ रही है तो दूसरी ओर गाडरवारा क्षेत्र में भी लगातार विकास की गंगा बहते हुये देखे जाने के बाद भी क्षेत्र के पुलों की दुर्दशा को नजर अंदाज करना निश्चित तौर से अनेक सबालों को जन्म देते हुये जान पड़ रहा है? इस तरह लगातार खस्ता हाल स्थिति में पहुंच रहे पुलों की अनदेखी किसी दिन बड़ी घटना का कारण बनने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो प्रशासन व क्षेत्र के जिम्मेदारों की उदासीनता का परिणाम है कि गाडरवारा से कौड़िया की ओर जाने वाले शक्कर नदी पुल सहित चीचली के पास सीतारेवा नदी पर बने हुए पुल की जिन्दगी इस समय पूर्ण रूप से बेन्टीनेटर पर दिखाई देने से नही चूक पा रही है? कुछ इसी प्रकार का हाल मात्र चंद वर्ष पहले निर्मित हुये सुदरास से एनटीपीसी की ओर जाने वाले मार्ग पर सीतारेवा नदी के नव निर्मित पुल की दिखाई देने लगी है। मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा इन पुलों की ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही देना सरकार के संपूर्ण विकास कार्यो पर प्रश्न चिन्ह लगाने से नही चूक रहा है..? इस संबंध में बताया जाता है कि हमारे शहर को प्रदेश की संस्कार धानी की ओर ले जाने वाले तथा राजधानी को प्रदेश के मा.उच्च न्यायलय नगर से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्तर के मार्ग पर बने हुए गाडरवारा शक्कर नदी पुल की स्थिति इन दिनों लगातार खराब होती चली जा रही है। मगर इस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम यह है कि अब इस पुल से वाहन निकालने में भी आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है..? ज्ञात हो कि इस पुल का निर्माण आज से लगभग 51 वर्ष पूर्व उस समय 28 लाख रूपया की लागत से हुआ था, जिसका लोकापर्ण 28 अप्रेल 1972 को प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश चंद्र सेठी द्वारा किया गया था। यदि उस समय शासन द्वारा लगाई गई राशि का वर्तमान स्थिति की लागत पर जोड किया जावे तो कई करोड़ो में मना जावेगा, जिसके चलते शहर की जीवन रेखा माने जाने वाली शक्कर नदी पर बने हुए इस पुल का क्षेत्र की जनता बीते हुए लगभग 50 वर्षो से भी अधिक समय से उपयोग करते हुए खुशहाल बनी हुई है। मगर क्षेत्र में लगातार लग रहे बड़े बड़े उद्योगों सहित लगातार बढ़ रहे सड़कों पर यातायात के दवाब के बाद इस पुल से प्रति दिन हजारों की संख्या में वाहन निकलते है जिसमें निकलने वाले वाहनों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक इस प्रकार के भारी वाहन भी निकल रहे है जिनकी शायद पुल के निर्माण के समय कल्पना भी नही की गई होगी तब कभी इतने बड़े वाहनों का भी इस पुल से निकलना होगा? इस प्रकार से क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे यातायात के दवाब के चलते जहां पुल की स्थिति लगातार खराब होती चली जा रही है। वही दूसरी ओर पुल की ओर प्रशासन द्वारा ध्यान नही दिये जाने का परिणाम तो वर्तमान में इस तरह देखने मिल रहा है कि पुल के ऊपर निकले हुये गड्डो से सीधे शक्कर नदी में पड़ी हुई रेत के दर्शन तो करा ही रहे है साथ ही साथ वाहन चालकों द्वारा पुल के ऊपर से वाहन निकालने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है...? बताया जाता है कि शुरूआती तौर पर पुल में निकले हुए छोटे छोटे गड्डो की ओर संबंधित विभाग द्वारा ध्यान नही दिया गया जिसका परिणाम है कि उन गड्डो ने अब अपना बड़ा रूप धारण कर लिया गया है और वह अब लगातार अपना रूप से सुरसा के समान बड़ा करते हुए दिखाई देने से नही चूक रहे है..? इस प्रकार से प्रशासन की अनदेखी के चलते जहां इस पुल की स्थिति बेन्टीनेटर पर पहुंचने के समान महसूस होने लगी है और यदि समय रहते हुये इस पुल के उचित सुधार की ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित तौर से यहां पर बड़ा हादसा होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई समीपस्थ चीचली से रायपुर की ओर जाने वाले सीतारेवा नदी पर बने हुए पुल की दिखाई दे रही हो जिसके ऊपर से कुछ वर्ष पहले तक जिस तरह एनटीपीसी सहित अन्य विभागों के बड़े बडे वाहनों की लगातार धमाचौकड़ी मचाई गई थी उसके चलते इस पुल की स्थिति इस प्रकार से जर्जर हो चुकी है कि पुल के निर्माण के दौरान उपयोग की गई लोहे की राडे भी अब ऊपर निकलकर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए खुला आमंत्रण करते हुए दिखाई देने देने से नही चूक रही है..? ज्ञात हो कि इस पुल से इस क्षेत्र के लगभग 30 गांवो के लोगों का आना जाना लगा रहता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई की सच्चाई मात्र चंद वर्ष पहले निर्मित हुये सुदरास मार्ग से होते हुये एनटीपीसी के नवनिर्मित सड़क मार्ग की सीतारेवा नदी पर बने हुये नवनिर्मित पुल का हाल देखने मिल रहा है। बताया जाता है कि इस पुल को बने हुये पुल के बीचों बीच गड्डे निकलना शुरू हो गया है उसके चलते निश्चित ही पुल का निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा पुल निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता की कहानी को उजागर करने से नही चूक रही है..? इस प्रकार से नवनिर्मित पुल की जहां पैदल चलने के लिये बनाई गई पट्टी अनेक जगहों से खुदते हुये दिखाई दे रही है तथा पुल में भी कुछ जगहों पर दरारे नजर आने लगी है। यदि इस नव निर्मित पुल की निष्ठावान अधिकारियों द्वारा निर्माण के दौरान अपनाई गई गुणवत्ता की सूक्ष्मता के साथ जांच की जावे तो चौकाने वाली सच्चाई सामने आने से नही चूक पायेगी कि आखिरकार पुलिस का निर्माण किस गुणवत्ता के साथ किया गया है?

खुलरी में भव्य कलश यात्रा के साथ मनाई गई कर्मा जयंती

हरिभूमि न्यूज/खुलरी। शहरों में देखा जाता है कि हर समाज द्वारा अपने धार्मिक कार्यक्रम बडे ही धूमधाम के साथ मनाये जाते है। मगर साहू समाज द्वारा जिस भव्य तरीके से ग्राम खुलरी में माँ कर्मा जयंती का आयोजन किया गया निश्चित तौर से वह आकर्षण का केन्द्र बनने से नही चूक पाया। बताया जाता है कि भगवान श्री कृष्ण की अनन्य भक्त साहू समाज की आराध्य देवी मां कर्मा की 1010 वीं जयंती ग्राम खुलरी में हर्षोल्लास के साथ बडे धूमधाम से मनाई गई। ग्राम में स्व. लक्ष्मण दास पेठिया साहू समाज द्वारा निर्मित भव्य और शानदार कलाकृति का उदाहरण श्री देव राम जानकी मंदिर के 100 वर्ष पूर्ण होने के इस अवसर पर ग्राम में साहू समाज ने 151 मातृ शक्तियों द्वारा सिर पर कलश रखकर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली। यह शोभायात्रा की शुरुआत रामलीला मैदान हनुमान मंदिर से होते हुए मंगला बाजार, बाखर, नए नगर, बरार माता मोहल्ला होते हुए राम मंदिर प्रांगण में पहुंचकर समापन हुआ। शोभायात्रा के दौरान जगह जगह तथा बाखर में चौ. देवेंद्र प्रताप सिंह व ग्राम की सरपंच सुशीला बाई पटेल सहित उप सरपंच शिखा दुबे, राजेंद्र पटेल, युवा पत्रकार सना खान, अशोक पटेल सहित ग्राम के अनेक गणमान्य जनों ने स्वागत करते हुये मां कर्मा देवी जी का पूजन किया गया। वही कार्यक्रम में शामिल होकर सभी का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम स्थल स्थानीय राम जानकी मंदिर प्रांगण में ग्राम खुलरी सहित नजदीकी ग्रामों के साहू समाज के नागरिकों ने एकत्रित होकर मां कर्मा देवी जी सहित भगवान कृष्ण जी का विधिविधान से पूजन अर्जन कर भोग अर्पण करते हुए जय जयकरे के नारे लगाये गये। इस अवसर पर उपस्थित समाज के बुजुर्गो युवाओं एवं माताओं बहनों ने अपने अपने विचार प्रकट किए। हेमंत बंटू साहू, रामकृष्ण साहू ने बताया कि हम सभी स्वजातीय बंधु बड़े आनंद के साथ मिलजुलकर मां कर्मा देवी का जन्मोत्सव एवं राम जानकी मंदिर के निर्माण का शताब्दी वर्ष मना रहे हैं। इस दौरान उन्होंने पूरे आयोजन पर विस्तार से प्रकाश डाला। संजय साहू, अंकुर साहू ने बताया कि इस तरह के आयोजन सामाजिक एकजुटता, कुरीति उन्मूलन एवं समाज की उन्नति में सहायक होते हैं। वही दूसरी ओर आने वाली पीढ़ी समाज के गौरव के साथ जुड़ते हुए हमारे आराध्य देवी के आदर्शो पर चलकर आगे बढ़ेगी। अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचारों से सभी को प्रेरित किया। इस अवसर पर सामूहिक भोज का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर मदन गोपाल साहू, गोपाल प्रसाद साहू, प्रेमलाल साहू, रमेशचंद साहू, विष्णु साहू, प्रभु साहू, राकेश साहू, प्रदीप साहू, शैलेन्द्र साहू, गिरजा शंकर साहू, शिवशंकर साहू, सुनील साहू, रामेश्वर साहू, राजेश साहू, शैलेंद्र साहू, राजेश साहू शिक्षक, मोहित साहू भगवानदास साहू, मुनीम साहू, संतोष साहू, महेंद्र साहू, रोशन साहू, दीपक साहू, यशवंत साहू, टीकाराम साहू, बालाराम साहू, संदीप साहू सहित बड़ी संख्या में माताएं बहिनों मौजूद रही। वही सुचारू व्यवस्था बनाने के लिये पुलिस प्रशासन की ओर से सिहोरा चौकी प्रभारी विजयपाल सिंह राजपूत अपने दलबल के साथ मौजूद रहे।

साहू समाज द्वारा धूमधाम के साथ मनाई गई माँ कर्मा जी की जयंती, वाहन रैली सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। साहू समाज द्वारा अपनी आराध्य देवी माँ कर्माजी की जयंती हर साल की भांति इस साल भी बडे ही धूमधाम के साथ मनाई गई। इस संबंध में समाज के युवा आकाश साहू द्वारा जानकारी देते हुये बताया गया है कि श्रीकृष्णभक्त शिरोमणी माँ कर्मादेवी जी जयंती समारोह के अवसार पर समाज द्वारा सुबह के समय नगर के हृदय स्थल झंडाचौक पर दीप प्रज्जवलन एवं पूजन आरती का आयोजन किया गया। इसके उपरांत 10 बजे से युवा संगठन द्वारा नगर में वाहन रैली निकाली गई जिसमें युवाओं से लेकर बुजुर्ग व बच्चें भी शामिल रहे। वही शाम 4 बजे नगर के झंडाचौक पर माँ कर्मा देवी खिचडी का वितरण युवा संगठन द्वारा किया किया गया। वही मुख्य पूजन, हवन व आरती का आयोजन शाम 4 बजे किया किया गया। इसके उपरांत नगर के सुखदेव भवन में युवक युवती सम्मेलन सहित अन्य कार्यक्रम में क्षेत्र के विधायक तथा प्रदेश के शिक्षा व परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के मुख्य अतिथ्य में किया गया। इस मौके पर विशिष्ठ अतिथि के रूप में नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा मौजूद रहे तथा अन्य अतिथियों के रूप में पूर्व विधायक श्रीमति साधना स्थापक, नरेश पाठक सहित अन्य लोग मौजूद रहे। यह कार्यक्रम देर रात्री तक जारी रहा। इसी प्रकार से समीपस्थ ग्राम खुलरी में भी माँ कर्मा जयंती के अवसर पर शानदार कार्यक्रम आयोजित हुये जिसमें मुख्य रूप से देखा जावे तो माँ कर्माजी की प्रतिमा के साथ भव्य कलश शोभा यात्रा आकर्षण का केन्द्र बनने से नही चूक पाई थी।

दीपेश बने नव युवक मंडल अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। निश्चित जब किसी समाज हो या फिर संगठन की जिम्मेदारी जागरूक व्यक्ति के कंधों पर रहती है तो समाज को मजबूती मिलने से नही चूक पाती है। कुछ इसी प्रकार से दीपेश के युवा मंडल अध्यक्ष बनने में देखने मिल रही है। बताया जाता है कि गाडरवारा गहोई वैश्य समाज अध्यक्ष सुनील सोनी ने सामाजिक परंपरा अनुसार दीपेश सेठ को गाडरवारा गहोई वैश्य समाज नव युवक मंडल अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। दीपेश सेठ इसके पूर्व नव युवक मंडल में सचिव पद पर अपने दायित्व का निर्वाहन करते हुये समाज हित में अनेक कार्य करते हुये देखे जा चुके है। अब उनके अध्यक्ष बनने पर सामाजिक लोगों मकें हर्ष देखने मिल रहा है।

महाशिव पुराण के आयोजन से ग्राम आमपुरा में बह रही धर्म की गंगा, संसार की बातों पर ध्यान न देकर लक्ष्य की ओर बढ़ेः हेमंत दीक्षित

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। कहा जाता है कि शिवजी की आराधना में जब लोग लीन हो जाते है तो महाकाल उनके संकटों को पल पर में हरण करते लेते है। इसी के चलते इस समय आमपुरा गांव में देखा जा रहा है। जहां पर संपूर्ण गांव शिवजी की भक्ति में लीन नजर आने से नही चूक रहा है। बताया जाता है कि समीपस्थ ग्राम आमपुरा (सांगई) के शक्ति दरबार में चल रहे संगीतमय श्री महाशिवपुराण कथा का आयोजन में शिव महापुराण कथा सुनाते हुए कथा वाचक हेमंत कृष्ण दीक्षित ने कहा कि शिव महापुराण की कथा अत्यंत महिमामयी है। सामान्यतः सात दिवसीय शिव पुराण कथा में चौथे दिन का प्रसंग भगवान शिव के विवाह और उनके गृहस्थ स्वरूप पर केंद्रित होता है। इस दिन की कथा भक्त के हृदय में प्रेम, भक्ति और वैराग्य का सुंदर संगम कराती है। उन्होंने कहा कि चौथे दिन की कथा की शुरुआत माँ पार्वती के कठोर तप से होती है। नारद जी के उपदेश पर माता पार्वती भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए हज़ारों वर्षों तक तपस्या करती हैं। पंचाक्षरी मंत्रः तप के दौरान उन्होंने ॐ नमः शिवाय" मंत्र का जाप किया।उन्होंने अन्न-जल त्याग दिया, जिसके कारण उनका नाम 'अपर्णा' पड़ा। जब माँ पार्वती जी का तप अपनी पराकाष्ठा पर पहुँचा, तो शिवजी ने उनकी परीक्षा लेने का निर्णय लिया। भगवान शिव एक वृद्ध ब्राह्मण (बटु) का रूप धरकर उनके पास आए। बटु रूपी शिव ने स्वयं अपनी ही निंदा की ताकि पार्वती का मन डोल जाए। उन्होंने कहा— तुम उस भस्मधारी, गले में सांप लपेटने वाले और श्मशान में रहने वाले से विवाह क्यों करना चाहती हो। तो माता पार्वती ने अत्यंत दृढ़ता से उत्तर दिया कि उनका मन केवल शिव में ही रमा है। उनकी अडिग भक्ति देखकर शिवजी अपने वास्तविक स्वरूप में प्रकट हुए और उन्हें स्वीकार किया। कथा वाचक हेमंत दीक्षित ने कथा में आगे बताया कि भगवान शिव की बारात निराली थी। इसमें देवता, गंधर्व, यक्षों के साथ-साथ भूत-प्रेत, पिशाच और नंदी-भृंगी जैसे गण भी शामिल थे। यह कथा सिखाती है कि भगवान शिव के लिए सुंदरता या कुल का कोई महत्व नहीं है। वे केवल सच्चे भाव के भूखे हैं। श्री दीक्षित ने आगे कहा कि कथा में शिवजी के अर्धनारीश्वर स्वरूप की महिमा बताई जाती है। यह स्वरूप दर्शाता है कि पुरुष और प्रकृति (शक्ति) एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं। सृष्टि के संचालन के लिए दोनों का सामंजस्य अनिवार्य है। चौथे दिन की कथा हमें 'संकल्प' की शक्ति सिखाती है। जैसे पार्वती जी ने तमाम बाधाओं और शिवजी की निंदा सुनने के बावजूद अपना मार्ग नहीं बदला, वैसे ही एक भक्त को भी संसार की बातों में न आकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए।

कन्या शाला चीचली में संस्कृति ज्ञान परीक्षा प्रशस्ति पत्रों का हुआ वितरण

हरिभूमि न्यूज/चीचली। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2025 -26 में गायत्री शक्ति पीठ गाडरवारा द्वारा तहसील स्तरीय परीक्षा का आयोजन किया गया था। बताया जाता है कि इस परीक्षा में शासकीय एकीकृत कन्या माध्यमिक शाला की छात्रा तृप्ति अहिरवार कक्षा आठवीं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया गया था। वही एकता कहार कक्षा आठवीं ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उक्त छात्राओं को प्रशस्ति प्रमाण पत्र एवं शील्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा मार्गदर्शक शिक्षक राम कुमार कौरव(प्रधान पाठक), लेखराम गौतम(सहायक प्रभारी)एवं समस्त स्टाफ को गायत्री शक्तिपीठ गाडरवारा परिवार की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गायत्री परिवार से राजेश कौरव सहित अन्य उपस्थित रहे।

घर के सामने गाली बकने से रोका तो पत्थर मारकर चोट पहुंचाई

गाडरवारा। नगर में मनमानी करने वालों के हौसले इंतने बुलंद देखने मिल रहे है कि कोई भी किसी के घर के सामने पहुंचकर गाली बकने लगता है यदि कोई रोकता है तो मारपीट करने पर उतारू होने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस नगर के डोलाबाबा क्षेत्र में देखने मिली है। जहां पर एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि में अपने घर पर था तभी घर के बाहर से गाली गलौच की आबाज आयी तो मै घर के बाहर गया और देखा तो मेरे मोहल्ले का धर्मेन्द्र कहार गंदी गंदी गालियां दे रहा था जो सुनने मे बुरी लग रही थी। प्रार्थी ने उससे बोला की गालियां क्यो दे रहा है घर मे बहन बेटिया है।

दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल गाडरवारा
CBSE बोर्ड आधारित, DPIS Org. नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं तक
DPIS
प्रवेश प्रारंभ
विवेकानंद वार्ड, शनि मंदिर के पास, साईधाम कॉलोनी, गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर
Mob. : 903 9230 199, 722 4021 199 Email- dpsgadarwara@gmail.com

खबर संक्षेप

आप जिलाध्यक्ष बनते ही एक्शन में एडवोकेट निर्मल साहू, 21 पदाधिकारियों की सूची जारी की

डिंडौरी न्यूज। आम आदमी पार्टी मध्यप्रदेश संगठन द्वारा जिले में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से एडवोकेट निर्मल कुमार साहू को डिण्डौरी जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदेश स्तर से की गई इस घोषणा के बाद जिले के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

लंबे समय से सामाजिक और किसान आंदोलनों से जुड़े रहे

एडवोकेट निर्मल कुमार साहू लंबे समय से सामाजिक और किसान हितों से जुड़े रहे हैं। उन्होंने भारतीय किसान संघ में कई वर्षों तक डिण्डौरी जिला मंत्री का दायित्व निभाते हुए किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिलाध्यक्ष का दायित्व मिलने के बाद एडवोकेट निर्मल कुमार साहू ने संगठन विस्तार की दिशा में तत्काल कदम उठाए हैं। उन्होंने प्रदेश स्तर से 21 पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की, जिससे जिले में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत करने की तैयारी शुरू हो गई है।

जनगणना हेतु पटवारी और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण आयोजित

हरिभूमि न्यूज।बजाग में जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण और मकान गणना कार्य को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण 15 मार्च 2026 को कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी डिंडोरी के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय जनगणना अधिकारी रामबाबू देवांगन के निर्देशन में चार्ज बजाग में संपन्न हुआ।कार्यक्रम के अंतर्गत तहसील बजाग के करंजिया और बजाग क्षेत्र के सभी आरआई पटवारी और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य मकान सूचीकरण ब्लॉक एचएलबी के गठन कार्य को समयबद्ध रूप से पूरा करना था। यह प्रशिक्षण तहसील भवन बजाग के सभागार में आयोजित किया गया।प्रशिक्षण के दौरान एचएलबी के सृजन मकान सूचीकरण प्रक्रिया तथा सीएमएमएस पोर्टल पर एचएलबी के नक्शे तैयार करने की जानकारी सहायक

प्रबंधक ई गवर्नेंस भरत अग्रवाल द्वारा दी गई।प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामबाबू देवांगन तहसीलदार भरत सिंह बट्टे नायब तहसीलदार आशुतोष मिश्र सहित राजस्व निरीक्षक और पटवारी उपस्थित रहे।

मेंहदवानी के होटल से तीन घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

हरिभूमि न्यूज।शहपुरा तहसील में खाद्य विभाग की छापामार कार्रवाई लगातार जारी है। नगरीय क्षेत्र में दो दिनों तक सघन जांच के बाद विभाग की टीम ने अब कस्बाई क्षेत्रों की ओर रुख किया है। तीसरे दिन की कार्रवाई में विकासखंड मेंहदवानी के व्यस्ततम क्षेत्र में स्थित एक होटल पर छापा मारकर तीन घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार सहायक आपूर्ति अधिकारी जयंत असराटी के नेतृत्व में खाद्य विभाग की टीम ने जनपद कार्यालय के सामने संचालित अभिलाष दास लारिया के होटल का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान होटल में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग किया जाना पाया गया। निरीक्षण में तीन घरेलू गैस सिलेंडर मिलने पर टीम ने उन्हें तत्काल जब्त कर लिया। साथ ही आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर होटल संचालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है।अचानक हुई इस कार्रवाई से मेंहदवानी मुख्यालय के होटल संचालकों में हड़कंप की स्थिति बन गई। खाद्य विभाग ने संकेत दिए हैं कि अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग के विरुद्ध ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

न्याय व्यवस्था मजबूत करने पुलिस-अभियोजन की संयुक्त कार्यशाला, पॉक्सो मामलों पर विशेष चर्चा

डिंडौरी।

जिले में न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से अभियोजन अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 15 मार्च 2026 को बायपास रोड स्थित नेचर कोर्टयार्ड में संपन्न हुई। कार्यक्रम का आयोजन लोक अभियोजन संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार किया गया। मीडिया सेल प्रभारी एवं अभियोजन अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला में अभियोजन अधिकारियों के न्यायालयीन कार्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम तथा पॉक्सो (POCSO) अधिनियम – प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस एक्ट से जुड़े प्रावधानों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला में पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को न्यायालयीन प्रक्रिया, अनुसंधान की गुणवत्ता, साक्ष्य संकलन तथा अभियोजन को मजबूत बनाने से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रशिक्षण

दिया गया। इस दौरान डीएसपी, निरीक्षक, उपनिरीक्षक, सब-इंस्पेक्टर, आरक्षक और महिला आरक्षक सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि न्यायालय, पुलिस और प्रशासन एक ही माला के मोती हैं और इन तीनों के बेहतर समन्वय से ही समाज में न्याय व्यवस्था मजबूत होती है। उन्होंने विशेष रूप से एससी/एसटी एक्ट और पॉक्सो से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता, विश्वास और सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने पर जोर दिया। कलेक्टर ने कहा कि पुलिस और सेना की वर्दी का समाज में विशेष सम्मान होता है और उस सम्मान को बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस और प्रशासन एक ही गाड़ी के दो पहिए हैं, जो आपसी तालमेल के साथ समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश कुमार सोनी ने अपने संबोधन में कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार पॉक्सो तथा एससी/एसटी एक्ट से जुड़े मामलों का संचालन पूरी गंभीरता और विधिक प्रक्रिया के अनुरूप किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यायालय का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति को सजा न मिले। न्याय व्यवस्था की मूल भावना यही है कि भले ही कोई अपराधी बच जाए, लेकिन निर्दोष व्यक्ति को दंडित नहीं किया जाना चाहिए। कार्यशाला के दौरान सभी प्रतिभागियों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध कराई गई, ताकि वे अपने कार्य में विधिक प्रावधानों का बेहतर उपयोग कर सकें। इस अवसर पर तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश कुमार वर्मा, एडीपीओ लक्ष्मीनारायण साहू, प्रमोद कुमार पटेल, कमलेश कुमार पटले, निहाल टेकाम, एसडीओपी डिंडौरी श्री द्विवेदी सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कैमरे में कैद हुई धोखाधड़ी: पैसे लेते दिखे साहूकार, गहने देने के नाम पर पलटे, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

डिंडौरी न्यूज।

जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में गिरवी रखे गए गहना-जेवरात वापस न मिलने का गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम देवरा, पोस्ट मुड़की निवासी लक्ष्मण दुबे ने कोतवाली थाने में आवेदन देकर आरोप लगाया है कि वर्ष 2016 में पारिवारिक संकट के चलते उन्होंने गोलू जैन और बबलू जैन के पास अपने गहने गिरवी रखकर 2 लाख 50 हजार रुपये का कर्ज लिया था। अब पूरा कर्ज और ब्याज चुकाने के बावजूद भी उन्हें उनका सामान वापस नहीं मिल रहा है। पीड़ित लक्ष्मण दुबे ने बताया कि वर्ष 2016 में उनके छोटे भाई ज्ञानेश्वर दुबे आग से गंभीर रूप से झुलस गए थे। उनके इलाज के लिए तत्काल पैसों की जरूरत पड़ी, जिसके चलते उन्होंने गोलू और बबलू जैन के पास अपने गहना-

जेवरात गिरवी रखकर 2 प्रतिशत मासिक ब्याज की दर से 2,50,000 रुपये उधार लिए थे। लक्ष्मण दुबे के अनुसार उन्होंने समय-समय पर किस्तों में रकम लौटाई। वर्ष 2020 में 30 हजार रुपये, वर्ष 2021 में 25 हजार रुपये और वर्ष 2022 में 20 हजार रुपये नगद लौटाकर कुल 75 हजार रुपये वापस कर दिए। इसके बाद 22 फरवरी 2026 को उन्होंने मूल और ब्याज सहित कुल लगभग 7 लाख रुपये का भुगतान कर दिया, जिसमें 7 लाख रुपये नगद और 20 हजार रुपये का चेक भी शामिल है। पीड़ित का आरोप है कि इतनी बड़ी रकम चुकाने के बाद भी गिरवी रखे गए गहने पूरी तरह वापस नहीं किए गए। उन्हें केवल कुछ आधे-अधूरे जेवर लौटाए गए, जबकि बाकी गहनों को देने से टालमटोल किया जा रहा है। लक्ष्मण दुबे ने बताया कि पिछले दो वर्षों से वे कई बार गोलू जैन और बबलू जैन से संपर्क कर गिरवी गहनों का हिसाब करने और उन्हें वापस लेने की बात कर चुके हैं, लेकिन हर बार बहाना बनाकर टाल दिया जाता है। 29 जनवरी 2026 को उन्होंने गोलू और बबलू जैन के परिजनों से भी इस संबंध में चर्चा की, लेकिन वहां से भी कोई समाधान नहीं निकल पाया। पीड़ित ने कोतवाली थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर मांग की है कि बबलू जैन के पास गिरवी रखे उनके गहना-जेवरात का सही हिसाब कराकर उन्हें वापस दिलाया जाए। उनका कहना है कि थाने में शिकायत करने के बाद फिलहाल मामले में जांच कराने की बात कही जा रही है। इधर इस पूरे लेनदेन से जुड़े कुछ वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में बबलू जैन लाखों रुपये नगद लेते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में गहनों की मांग करने पर लेनदेन से ही इंकार करते नजर आ रहे हैं।

धूमधाम से मनाई गई माँ कर्मा जयन्ती

गाड़ासरई - डिंडोरी जिले के गाड़ासरई नगर में रविवार को माँ कर्मा बाई जयंती के उपलक्ष्य में कर्मा बाई धर्मशाला में सुबह से भक्तों की भीड़ जमा होने लगी और विधि विधान से माँ कर्मा की महाआरती सम्पन्न हुई जिसमे ग्राम के सभी लोगों ने पहुचकर पुण्य लाभ लिया पूजा अर्चना के बाद सामूहिक कन्या भोज कराया गया जिसके बाद दोपहर 12 बजे विशाल भण्डारे के साथ भोजन की व्यवस्था समिति के द्वारा की गई। जिसमे सभी समाज के लोगों ने अपनी उपस्थिति दी और कार्यक्रम में भारी भीड़ देखने को मिली दोपहर बाद शोभायात्रा की तैयारी की गई और ऊपर टोला के शिव मुहल्ले से शोभायात्रा शुरू की गई शोभयात्रा मे माँ कर्मा भगवान कृष्ण को खिचड़ी खिलाते हुए भावविभोर होती देखी गई , माता कर्मा देवी (कर्माबाई) भगवान श्री कृष्ण की अनन्य भक्त थीं जिन्हें भक्त शिरोमणि के रूप में जाना जाता है। वे मुख्य रूप से तेली साहू समाज की आराध्य देवी मानी जाती हैं और उनकी भक्ति, सेवा और समर्पण को बहुत ऊँचा स्थान दिया गया है।माता कर्मा के बारे में प्रमुख बातें:जीवन: माता कर्मा का जन्म 20 अगस्त 1615 को राजस्थान के नागौर जिले के कालवा गांव में एक जाट परिवार में हुआ था।कृष्ण भक्ति: वे बचपन से ही भगवान कृष्ण की परम भक्त थीं। वे ठाकुर जी (कृष्ण) के बाल रूप की पूजा करती थीं और उनसे ऐसे बातें करती थीं जैसे ठाकुर जी उनके पुत्र हों और उनके घर में ही रहते हों।खिचड़ी का भोग: कर्माबाई की कहानी में भगवान कृष्ण को उनके हाथों से बनाई गई खिचड़ी खाने का विशेष उल्लेख है। पौराणिक कथा के अनुसार, ठाकुर जी बड़े चाव से उनके द्वारा बनाई गई खिचड़ी खाते थे।जयंती: माता कर्मा की जयंती प्रतिवर्ष ग्यारस की तिथि को धूमधाम

से मनाई जाती है।साहू समाज की आराध्य: उन्हें साहू वंश का उद्धारक माना जाता है, और उनके सम्मान में साहू समाज विशेष रूप से जयंती और अन्य कार्यक्रमों का आयोजन करता है। उन्हें भक्ति, सेवा एवं समर्पण की प्रतिमूर्ति के रूप में याद किया जाता है, जिनकी कहानी विश्वास और ईश्वर के प्रति निश्छल प्रेम का प्रतीक है। इसलिए हर वर्ष गाड़ासरई साहू समाज के द्वारा माँ कर्मा जयन्ती बड़े धूमधाम से मनाई जाती है, जिसमे सभी स्वजातीय बंधू शामिल होकर गर्व महसूस करते हैं , वही शोभयात्रा को पूरे ग्राम में भ्रमण कराया गया, और जगह जगह लोगो ने शोभयात्रा के दर्शन कर पुण्य अर्जित किया, स्थानीय लोगो के द्वारा शोभयात्रा में शामिल लोगों की जलपान नास्ते की व्यवस्था भी की गई थी , शोभयात्रा पूरे ग्राम भ्रमण के बाद माँ कर्मा धर्मशाला में समापन किया गया और एक बैठक कर समाज की आगामी अच्छी व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई, एक तरफ माँ कर्मा जयन्ती मनाने लोगो ने भरपूर सहयोग किया वही महिलाओं ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया । मां कर्मा जयन्ती के अवसर पर गाड़ासरई बाजार बन्द रखा गया था, शोभयात्रा और कार्यक्रम को सफल बनाने गाड़ासरई पुलिस का भी भरपूर सहयोग देखने को मिला ।

डिंडोरी में मनाया गया विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस

डिंडौरी।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनिल अवधिया अध्यक्ष अखिल भारतीय ग्राहक महापंचायत तथा कान्हा प्रश्नानी सचिव अखिल भारतीय ग्राहक महापंचायत की उपस्थिति रही।कार्यक्रम में उपभोक्ता हितों पर विस्तृत जानकारी देते हुए विद्या राजेश परस्ते पेट्रोलियम डिंडोरी के प्रोपराइटर राजेश परस्ते ने उपभोक्ताओं को जागरूक किया। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की अपील की। अध्यक्ष अनिल अवधिया और सचिव कान्हा प्रश्नानी ने बताया कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों सुरक्षा सूचना चयन और सुनवाई के प्रति जागरूक करना इस दिवस का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि 15 मार्च 1962 को अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने कांग्रेस में पहली बार उपभोक्ता अधिकारों पर संबोधन दिया था। इसके बाद पहली बार वर्ष 1983 में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया गया। यह दिवस उपभोक्ताओं को नकली उत्पादों अनुचित व्यापार प्रथाओं और खराब सेवाओं के खिलाफ सशक्त बनाने का संदेश देता है। भारत में 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस जबकि 24 दिसंबर को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है जो वर्ष 1986 के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम से जुड़ा है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला आपूर्ति अधिकारी केपीएस मरावी ने उपभोक्ताओं के अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने सुरक्षा का अधिकार खतरनाक वस्तुओं से संरक्षण का अधिकार जानकारी का अधिकार उत्पाद की गुणवत्ता और मात्रा की जानकारी प्राप्त करने का अधिकार चुनने का अधिकार तथा सुनवाई का अधिकार जैसे महत्वपूर्ण अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया।कार्यक्रम में अखिल भारतीय ग्राहक महापंचायत इकाई डिंडोरी के जिलाध्यक्ष अनिल अवधिया सचिव कान्हा प्रश्नानी मीडिया प्रभारी यशवंत तोमर विद्या राजेश पेट्रोलियम सुबखार डिंडोरी के प्रोपराइटर राजेश परस्ते जिला आपूर्ति अधिकारी केपीएस मरावी नोडल अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक जेपी दुबेदी सहायक आपूर्ति अधिकारी शमीम खान कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आकाश तुरकर नापतौल विभाग से जेठू मरावी जिला मुख्यालय खाद्य ऑपरेटर अजय दुबे जनपद समनापुर के ऑपरेटर रामेश्वर मांडवे जनपद शहपुरा के ऑपरेटर प्रहलाद साहू पीएमसी सेल के ऑपरेटर शुभम तिवारी सहित जिले के समिति प्रबंधक और गेहूं उपार्जन केंद्रों के ऑपरेटर उपस्थित रहे।

खरगहना में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय क्षमता वृद्धि

डिंडौरी।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में ग्राम विकास को मजबूत बनाने और समितियों की कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार, 10 मार्च 2026 को ग्राम खरगहना में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सेक्टर क्रमांक–05 की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव, सदस्य तथा नवांकुर सखी बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के पूजन के साथ हुई। इसके बाद स्वागत एवं परिचय सत्र आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों का परिचय कराया गया। ब्लॉक समन्वयक श्रीमती अंजू दुबे ने सभी सदस्यों और नवांकुर सखी बहनों की उपस्थिति लेकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। प्रशिक्षण

सत्र के दौरान सेक्टर–05 के मेंटर श्री खिलावन सिंह गौतम ने मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की परिकल्पना, सामूहिकता, सामाजिक भागीदारी और स्वावलंबन जैसे विषयों पर प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियाँ गांवों में सामाजिक जागरूकता, स्वावलंबन और जनभागीदारी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

इसके पश्चात श्री शिवकुमार धुर्वे ने समग्र ग्राम विकास की अवधारणा पर विस्तार से जानकारी देते हुए इसके विभिन्न चरणों, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के गठन और उनके प्रभावी प्रबंधन के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि संगठित प्रयासों से ही गांवों का समग्र और स्थायी विकास संभव है। कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक श्रीमती अंजू दुबे ने प्रस्फुटन समितियों की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर देते हुए दस्तावेजीकरण, सूचना संप्रेषण, बोर्ड-फ्लेक्स की स्थापना, नर्सरी विकास, जनसूचना केंद्र तथा संस्कार केंद्र के संचालन के बारे में विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने समितियों से अपेक्षा की कि वे गांव में विकास गतिविधियों को पारदर्शी और प्रभावी ढंग से संचालित करें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि बालकिशोर गौतम एवं ब्लॉक समन्वयक श्रीमती अंजू दुबे द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारी को गांव के विकास कार्यों में लागू करने का संकल्प लिया।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की क्षमता वृद्धि के साथ-साथ गांवों में सामाजिक जागरूकता, स्वावलंबन और जनभागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

एक ही परिवार को कई प्रधानमंत्री आवास, मृतकों के नाम मजदूरी, अधूरे निर्माण कार्यों में पूरा भुगतान

सरपंच-सचिव पर रिश्तेदारों को लाभ पहुंचाकर करोड़ों की गड़बड़ी के गंभीर आरोप

डिंडौरी।

ग्राम पंचायत जैसे लोकतंत्र के सबसे निचले पायदान पर यदि भ्रष्टाचार जड़ जमा ले, तो उसका सीधा असर सबसे कमजोर वर्ग पर पड़ता है। प्रधानमंत्री आवास जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं जब एक ही परिवार और रिश्तेदारों तक सीमित हो जाएँ, तो यह केवल अनियमितता नहीं बल्कि सामाजिक अन्याय बन जाता है। ताजा मामला डिंडौरी जिले के जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत परसेल में सरपंच और सचिव की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्राम पिण्डरूखी, परसेल और हथकटा के ग्रामीणों ने कलेक्टर डिंडौरी को दिए गए शिकायती आवेदन में सीधे तौर पर सरपंच गुलाबवती कुशराम और सचिव पहलाद मरकाम को कटघरे में खड़ा किया है। आरोप है कि दोनों ने पंचायत को निजी जागीर बना लिया और शासकीय योजनाओं को अपने रिश्तेदारों व चहेतों तक सीमित कर दिया।

ग्रामीणों का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी महत्वपूर्ण योजना में सरपंच-सचिव ने पारदर्शिता को पूरी तरह दरकिनार कर दिया। तीनों ग्राम सभाओं में न तो हितग्राही सूची का वाचन किया गया और न ही पात्र परिवारों के नाम सार्वजनिक किए गए। आरोप है कि नियमों को ताक पर रखकर अपने रिश्तेदारों और नजदीकी लोगों के नाम से आवास स्वीकृत कर निर्माण कराया गया, जबकि जरूरतमंद आज भी इंतजार में हैं।

शिकायत में यह भी उल्लेख है कि पंचायत में चल रहे

सार्वजनिक निर्माण कार्यों में सरपंच और सचिव की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर आर्थिक गड़बड़ी की गई। उपसरपंच को ठेकेदारी देकर उन्हीं की ट्रैक्टर-जेसीबी मशीन से कार्य कराया गया और वास्तविक कार्य से कई गुना अधिक बिल पास कराकर सरकारी राशि का आहरण किया गया। जहां सीमित मुरूम और कम समय में खुदाई हुई, वहां कई गुना मात्रा और घंटों का भुगतान दिखाया गया।

ग्रामीणों ने मस्टर रोल में फर्जीवाड़े का भी गंभीर आरोप लगाया है। प्रभावशाली लोगों के परिजनों के नाम से हाजिरी भरकर भुगतान कराने की बात कही गई है। इससे मनरेगा और अन्य रोजगारपरक योजनाओं की साख पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। इतना ही नहीं, आवेदन में यह भी आरोप है कि सचिव ने अपने कार्यकाल के दौरान एक ही परिवार को एक से अधिक प्रधानमंत्री आवास दिलवाए और गौशाला भवनों के निर्माण में भी अपनों को फायदा पहुंचाया। इससे साफ संकेत मिलता है कि पंचायत स्तर पर नियमों की खुलेआम अनदेखी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि दो वर्षों से कई निर्माण कार्य अधूरे पड़े हैं, लेकिन सरपंच-सचिव का ध्यान उन्हें पूरा कराने की बजाय कागजों में भुगतान कराने पर रहा। अब ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कर सरपंच और सचिव के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि पंचायत में चल रहे भ्रष्टाचार पर लगाम लग सके।

खबर संक्षेप

विक्रमोत्सव सूर्य उपासना कार्यक्रम 19 को

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत जिला मुख्यालय में 19 मार्च 2026 को पूर्वान्ह सूर्य उपासना कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिए डिप्टी कलेक्टर नरसिंहपुर ने सहायक संचालक सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण श्रीमती अंजना त्रिपाठी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के संस्कृति विभाग के द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत जिला मुख्यालय में 19 मार्च को पूर्वान्ह सूर्य उपासना कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। जिसके प्रचार-प्रसार के लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारी एवं आयोजन स्थल की जानकारी का चयन कर सूचित करने के निर्देश दिए गए हैं।

एलपीजी आपूर्ति एवं शिकायतों हेतु अधिकारियों की लगाई ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। एलपीजी की आपूर्ति को दृष्टिगत रखते हुए एलपीजी से संबंधित जिले में आपूर्ति एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण कराने के लिए जिला स्तर पर अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। यह नियंत्रण कक्ष जिला आपूर्ति कार्यालय में बनाया गया है। जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर ने निर्देश दिए हैं कि उक्त अधिकारी एवं कर्मचारी नियमित रूप से गैस एजेंसियों एवं ऑयल कम्पनी के क्षेत्रीय सेल्स ऑफीसर से समन्वय कर एलपीजी की आपूर्ति एवं आमजनों से प्राप्त होने वाली शिकायतों का निराकरण करेंगे। जारी आदेश के मुताबिक तहसील नरसिंहपुर व चांवरपाठा के लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रंजना सिंह, कम्प्यूटर ऑपरेटर सुश्री शिखा पाठक व राजाराम केवल, गोटेगांव व करेली के लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी शंकर पटेल, कम्प्यूटर ऑपरेटर सुश्री सविता केवट व सौरभ राय और सांईखेड़ा व गाडरवारा के लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी राम नारायण दीक्षित, कम्प्यूटर ऑपरेटर चंद्रशेखर सराठे व टीकाराम रजक से सम्पर्क कर सकते हैं।

महिला पर हसिया से किया वार हुई घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली के निवारी चौकी क्षेत्र के ग्राम रमखिरिया में महिला पर हसिया से वार कर घायल कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार निधि शर्मा नाम की महिला पर ग्राम रमखिरिया के निवासी संजू शर्मा द्वारा हसिया से बार कर घायल कर दिया गया। पीड़ति द्वारा बताया गया कि किसी बात को लेकर मारपीट की गई है। पीड़ति महिला का उपचार जिला चिकित्सालय में जारी है।

बड़ागांव तक पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य शीघ्र होगा प्रारंभ

पैदल चलकर बड़ागांव पहुंची कलेक्टर, जनसंवाद शिविर में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

विगत दिवस जिला मुख्यालय से लगभग 100 किलोमीटर दूर दुर्गम पहाड़ी पर स्थित जनपद पंचायत चीचली की ग्राम पंचायत मोहपानी के आदिवासी बाहुल्य ग्राम बड़ागांव में शनिवार को जनसंवाद शिविर का आयोजन किया गया। इस गांव में मुख्य रूप से भारिया जनजाति के नागरिक निवास करते हैं। शिविर का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान करना तथा उन्हें शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है। दुर्गम मार्ग होने के कारण कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश सहित अन्य अधिकारी 12 किमी दूरी पहाड़ों पर पैदल चलकर भारिया जनजातीय बाहुल्य ग्राम बड़ागांव पहुंचे और ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। शिविर में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि गांव तक पहुंच मार्ग की समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा। इस दौरान संबंधित अधिकारी ने अवगत कराया कि आगामी सप्ताह में बड़ागांव तक पहुंच मार्ग के निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं को स्वसहायता समूह बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वसहायता समूहों के माध्यम से आटा चक्की, मुर्गी पालन, बकरी पालन सहित विभिन्न आर्थिक गतिविधियों से जुड़कर महिलाएं अपनी आय बढ़ा सकती हैं। इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण तथा स्वरोजगार के लिए आवश्यक आर्थिक सहायता राशि भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने आगामी 19 मार्च से प्रारंभ होने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में ग्रामीणों को जल संरक्षण और संवर्धन का संदेश दिया। कलेक्टर ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से जल संरक्षण करने पर गांव में पानी की समस्या का स्थायी समाधान संभव होगा। कलेक्टर ने शिविर में हर घर जल मिशन, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास विभाग के पोषण कार्यक्रम, आंगनवाड़ी सेवाएं, स्कूल शिक्षा विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, वाटरशेड एवं जल संरक्षण आदि योजनाओं, कार्यक्रमों व गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई।

जनकल्याणकारी योजनाओं दी जानकारी

जनसंवाद शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कृषि विभाग के उप संचालक मोरिस नाथ ने किसानों को विभागीय योजनाओं एवं आवेदन प्रक्रिया के बारे में बताया। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. सुनील बृजपुरिया ने मुर्गी पालन, बकरी पालन, गौवंशीय पशुपालन सहित पशुपालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। सीएचओ गोटीटोरिया सौम्या ब्रह्माण ने आयुष्मान कार्ड, गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, जननी सुरक्षा योजना, टीकाकरण अभियान सहित स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराया। साथ ही आधार, समग्र आईडी और जाति प्रमाण पत्र से संबंधित प्रक्रियाओं से भी ग्रामीणों को अवगत कराया गया। शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा महिलाओं, बुजुर्गों, नागरिकों और बच्चों का मौके पर ही स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सलाह और आवश्यक दवाईयां वितरित की गई।

आंगनवाड़ी केन्द्र का किया निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्राम बड़ागांव के आंगनवाड़ी केन्द्र का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी में दर्ज बच्चों तथा कुपोषित बच्चों की जानकारी ली और आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर को अवगत कराया गया कि गांव में एक बच्चा कुपोषित पाया गया है। कलेक्टर ने तत्काल स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक व सीएचओ को निर्देशित किया कि उक्त बच्चे के घर जाकर उसका स्वास्थ्य परीक्षण करें और आवश्यक कार्यवाही की जाए। इस दौरान कलेक्टर स्वयं सेम बच्चे के अभिभावक को समझाइश देने के उद्देश्य से उनके घर पहुंची। घर पहुंचकर कलेक्टर ने बच्चे के अभिभावक को समझाइश दी कि बच्चे को एनआरसी में भर्ती कराने से उसे उचित उपचार और पोषण मिल सकेगा तथा वह जल्द स्वस्थ हो जाएगा। कलेक्टर की इस समझाइश पर अभिभावक ने बच्चे को एनआरसी में भर्ती कराने के लिए सहमति व्यक्त की।

आवासों का किया अवलोकन

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने प्रधानमंत्री आवास- ग्रामीण और प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत ग्राम बड़ागांव में निर्मित एवं निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हितग्राही मोहन भारिया, शंकर भारिया एवं विनोद भारिया के आवासों का अवलोकन किया और निर्माण कार्य की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान हितग्राही मोहन भारिया का आवास निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। कलेक्टर ने आवास का अवलोकन करते हुए निर्माण कार्य की सराहना की और हितग्राही से संवाद कर योजना के संबंध में जानकारी ली। वहीं हितग्राही शंकर भारिया, विनोद भारिया एवं एक अन्य हितग्राही के आवासों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

नेत्रहीन जीवन संस्था द्वारा दी शानदार प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस नगर के सुभाष पार्क चैराहे के पास उड़ीसा की नेत्रहीन दिव्यांग मंडली द्वारा शानदार भजनों की प्रस्तुति दी गई। बताया गया कि उक्त मंडली द्वारा देश के विभिन्न नगरों मे जाकर सर्वाजनिक स्थलों में निशुल्क प्रस्तुतियां दी जाती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धार्मिक तथा धर्म संस्कृति के प्रचार प्रसार के लिए प्रस्तुति दी जा रही है। उक्त आयोजन लिपू जैना, प्रशांत बेहरे, कृष्णा, कादम्बरी, श्रीमती लक्ष्मी सिंह द्वारा सुमधुर प्रस्तुति दी गई।

छात्राओं को आशा कार्यकर्ताओं ने दी टीकाकरण की जानकारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस शासन युद्ध स्तर पर महिलाओं में सरवीकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) के रोकथाम के लिए टीकाकरण अभियान चला रही है। स्वास्थ्य विभाग की आशा कार्यकर्ताओं ने कन्या शाला स्कूल में जाकर 9 से 14 साल की बच्चियों को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर बीमारी जानकारी से अवगत कराया। चिकित्सों के अनुसार कैंसर गर्भाशय के निचले हिस्से (सर्विक्स) में होने वाला कैंसर है, जो मुख्य रूप से ह्यूमन पेपिलोमावायरस एच पी वी के कारण होता है। यह महिलाओं में होने वाला चौथा सबसे आम कैंसर है, जिसे वैक्सीन (टीका) और समय पर जांच (पैप स्मीयर) से रोका जा सकता है। इसके शुरुआती लक्षण अक्सर नहीं दिखते, लेकिन बाद में अनियमित ब्लीडिंग और दर्द हो सकता है। सर्वाइकल कैंसर के मुख्य कारण और लक्षण कारण मुख्य रूप से एच पी वी संक्रमण, जो असुरक्षित यौन संबंध से फैलता है। या कम उम्र में यौन संबंध, कई यौन साथी, धूम्रपान, और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली। लक्षण पीरियड्स के अलावा ब्लीडिंग, रजोनिवृत्ति के बाद ब्लीडिंग,संबंध के बाद दर्द, असामान्य योनि स्राव और पेल्विक दर्द। इसका बचाव और उपचार टीकाकरण 9-14 वर्ष की लड़कियों के लिए एचवी पी वैक्सीन सबसे प्रभावी है। कन्या शाला प्रिंसिपल श्रद्धा श्रीवास्तव ने बताया है कि मैंने अपनी बच्ची का 5 साल पहले यह टीकाकरण करवाया है। यह टीकाकरण सभी माता-पिताओं को अपनी बच्ची को लिए करवाना चाहिए। आशा कार्यकर्ता वंदना सोनी ने बच्चियों को जानकारी दी कि लोगों ने अफवाह फैलाई गई है कि टीका लगवाने से लड़कियां मां नहीं बन सकती जो कि अफवाह है। यह टीकाकरण से कोई दुष्प्रभाव नहीं है टीकाकरण से आगे चलकर लड़कियां कैंसर की बीमारी से सुरक्षित रहेगी। कन्यशाला में जानकारी देते समय राजलक्ष्मी अग्रवाल, रजनी श्रीवास्तव, कृष्ण पगारे, राजकुमारी जाटव, अंबेडकर वार्ड, सुमन यादव, वर्षा ठाकुर, रजनी श्रीवास्तव, पुष्पा कहार, कृष्णा पगारे, संजीदा बानो, सबरा बानो, हिंदूमति लोधी, मिथिलेश सोनी, मनोरमा सोनी नीतू श्रीवतस्तव, सेम प्रदोष सम्मिलित रही।

साक्षरता परीक्षा में सम्मिलित हुए 31195 असाक्षर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत 14 मार्च को जिले के 1276 सामाजिक चेतना केंद्रों पर अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निदेशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक मूल्यांकन परीक्षा आयोजित सम्पन्न हुई। जिसमें 31 हजार 195 असाक्षर शामिल हुए। जिला सह समन्वयक साक्षरता जिला शिक्षा केन्द्र नरसिंहपुर अखलेश राजोरिया ने बताया कि मूल्यांकन परीक्षा में जिले के कुल 31195 असाक्षरों में पुरुष 15063 एवं 16132 महिला असाक्षर सम्मिलित हुए जिसमें विकासखंड सांईखेड़ा में 3355 पुरूष व तीन हजार दो सो पचासी महिला, विकासखंड चीचली में 3175 पुरूष व 3489 महिला, विकासखंड करेली में 2145 पुरूष व 2354 महिला, विकासखंड नरसिंहपुर में 1880 पुरूष व 2390 महिला, विकासखंड गोटेगांव में 2158 पुरूष व 2251 महिला और विकासखंड चांवरपाठा में 2 350 पुरूष व 2363 महिला शामिल हुए। इस दौरान सामाजिक चेतना केन्द्रों पर तिलक लगाकर असाक्षरों का स्वागत किया गया। मूल्यांकन के दौरान जिला परियोजना समन्वयक मनीष चैकसे, जिला सह समन्वयक साक्षरता अखलेश राजोरिया विकासखंड सह समन्वयक साक्षरता विजय नामदेव संकुल समन्वयक एल पी गिर्दोनिया द्वारा सामाजिक चेतना केंद्र शासकीय प्राथमिक शाला तलापार एवं निरंजन वार्ड का एवं विकासखंड स्रोत समन्वयक प्रमेंद्र सिंह जाट

द्वारा शासकीय कन्या शाला करेली का अवलोकन किया गया।अवलोकन किया गया। मूल्यांकन के दौरान सामाजिक चेतना केंद्रों का एपीसी, विकासखंड स्रोत समन्वयक, बीएसी, जनशिक्षकों, विकासखंड सह समन्वयक द्वारा संबंधित सामाजिक चेतना केंद्रों का अवलोकन किया गया। मूल्यांकन में केंद्र के नोडल अधिकारी अक्षरसाथियों, पर्यवेक्षण कार्य में संलग्न शिक्षकों द्वारा केंद्र पर ही मूल्यांकन कर प्राप्तांको की एनआईएलपी एप पर प्रविष्टि की गई।

करेली नपा अनियमितता मामला

हाईकोर्ट ने 3 माह में निर्णय लेने के जारी किया निर्देश

करेली न्यूज। नगर परिषद करेलीए जिला नरसिंहपुर में कथित अवैध नियुक्तियोंए अनधिकृत कॉलोनियों और घटिया स्तर के आधारभूत निर्माण कार्यों को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया हैं। याचिका भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई थीए जिसमें नगर परिषद करेली में कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र एवं पारदर्शी जांचए दोषी अधिकारियों व निजी व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करनेए आर्थिक अपराध शाखा से वित्तीय अनियमितताओं की जांच कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने न्यायालय को बताया कि इस संबंध में 8 अगस्त 2024 को संयुक्त संचालकए नगरीय विकास एवं आवास विभागए संभागीय कार्यालय जबलपुर के समक्ष एक विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया थाए लेकिन अब तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। अधिवक्ता ने न्यायालय से अनुरोध किया कि संबंधित प्राधिकारी को उक्त प्रतिवेदन पर निर्धारित समयावधि में निर्णय लेने का निर्देश दिया जाए। राज्य की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने इस मांग पर कोई आपत्ति नहीं जताई।

3 माह में जांच का आदेश

परिस्थितियों को देखते हुए न्यायालय ने दायर जनहित याचिका क्रमांक 4401 का निराकरण करते हुए संयुक्त संचालकए नगरीय विकास एवं आवास विभागए संभागीय कार्यालय जबलपुर को निर्देशित किया है कि वे याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन पर सभी प्रभावित पक्षों को सुनवाई का अवसर देते हुए आदेश की प्रमाणित प्रति प्राप्त होने की तिथि से तीन माह के भीतर विचार कर निर्णय लें। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसने इस मामले के गुण.दोष पर कोई टिप्पणी नहीं की हैं।

विद्युत की अघोषित कटौती से उपभोक्ता परेशान

तेंदूखेड़ा। ठंड की विदाई के बाद अब धीरे धीरे गर्मी ने दस्तक देना शुरू कर दिया है। दिन का तापमान भी बढ़ने लगा है।धूप तेज होने के कारण लोगों की बेचैनियां भी दिन के समय बढ़ने लगी हैं। वहीं दूसरी ओर विद्युत वितरण केंद्र डोभी द्वारा क्षेत्र में विगत एक सप्ताह से मेंटनेंस के नाम पर सुबह से देर रात्रि तक अघोषित कटौती की जा रही है। जिसके कारण क्षेत्र में अनेक समस्याएं उत्पन्न हो रही है। एक तरफ जहां शासकीय एवं प्राइवेट शैक्षणिक संस्थानों में वार्षिक परीक्षाएं भी संचालित हो रही है। वहीं दूसरी ओर क्षेत्र विभिन्न जिंसों की कटाई में कृषि कार्य भी प्रभावित हो रहा है। किसान उपभोक्ताओं का कहना है कि मूंग की बौनी के साथ चना मसूर आदि की थ्रेशिंग करने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उपभोक्ताओं ने किया विद्युत वितरण केन्द्र का घेराव

विगत दिवस प्रतिष्ठित ग्राम डोभी एवं आसपास के ग्रामीणों द्वारा विद्युत मंडल का घेराव

किया गया। ग्रामीणों ने कनिष्ठ यंत्री से चर्चा करते हुए उन्हें अपनी समस्या से अवगत कराया गया है कि क्षेत्र में लगातार हो रही अवैध कटौती को शीघ्र ही बंद किया जाए। विभाग द्वारा मेंटेनेंस के नाम पर यह घोषित कटौती जारी रहती है तो सभी ग्रामीणों के द्वारा विद्युत मंडल कार्यालय में धरना दिया जाएगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन प्रशासन की रहेगी। कनिष्ठ यंत्री ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वर्तमान समय में जहां विद्युत व्यवस्थाएं कमजोर हैं उनको दुरुस्त करने के लिए कुछ समय बिजली की कटौती की जा रही है। जिसके कारण लोगों को समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। लेकिन शीघ्र ही उचित व्यवस्था बनाई जा रही है।

आपरेटर की मनमानी से उपभोक्ता परेशान

विद्युत वितरण केंद्र डोभी में एक ऑपरेटर की मनमानी के चलते पूरे ग्रामीण क्षेत्र में भय और अशांति का माहौल बना हुआ है। केंद्र में पदस्थ यह ऑपरेटर आउटसोर्स भर्ती के माध्यम से कार्य कर रहा है।जिसके द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में जमकर अवैध वसूली की जाती है। यदि ग्रामीणों द्वारा राशि नहीं दी जाती है तो इसके द्वारा प्रकरण बनाने की धमकी किसानों और आम उपभोक्ताओं को दी जाती है। ग्रामीणों द्वारा कनिष्ठ यंत्री को भी उक्त ऑपरेटर की शिकायत करते हुए कहा कि की क्षेत्र में हो रही अवैध वसूली को तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए। यदि ऑपरेटर की काली करतूतों पर लगाम नहीं लगाई जाती है तो इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से की जाएगी।

मूंग के साथ साथ बढ़ रहा उड़द का रकबा

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में रवि मौसम की विभिन्न जिंसों की कटाई का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। जहां जहां फसल कटती जा रही है वहां वहां पर मूंग और उड़द फसल की बुवाई का काम भी चल रहा है। इस वर्ष मूंग की अपेक्षा किसान उड़द फसल की ज्यादा तर बुबाई चल रही है। लेकिन सबसे बड़ी समस्या पानी की होगी पिछले साल की अपेक्षा जनवरी में बरसात ना होने के कारण जमीनी जल स्तर में अभी से कम होता चला जा रहा है।गर्मी के मौसम में मूंग की फसल को भी पानी की अधिक आवश्यकता होगी और जमीनी जल स्तर और नीचे जायेगा। किसानों का कहना है कि बिजली है तो मूंग है।यदि पर्याप्त मात्रा में बिजली मिलेगी तो ही मूंग फसल की उपज मिल पायेगी क्योंकि इस फसल को पानी अधिक जरुरत पड़ती है और पानी भी बिजली आपूर्ति पर ही निर्भर है।

ग्राम में जगा रहे स्वच्छता की अलख, देवालयों की कर रहे साफ सफाई

तेंदूखेड़ा। इन दिनों राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई सर्वोदय विद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम टेकापार में स्वच्छता जागरूकता की अलख जगाते हुए स्वच्छता का संदेश दिया जा रहा है। जन जागरण करते हुए स्वयंसेवकों के द्वारा ग्राम के राम मंदिर एवं दुर्गा मंदिर के परिसर के आसपास की सफाई की जा रही है। तथा सामुदायिक भवन के आसपास फैली अवांछित घास को नष्ट करते हुए वहां लगे हुए पौधों का संरक्षण किया जा रहा है। स्वयंसेवकों के द्वारा ग्राम में जनसंपर्क करते हुए शिक्षा स्वास्थ्य पर्यावरण बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं डिजिटल साक्षरता के बारे में लोगों को जानकारी दा रही है। वहीं दूसरी तरफ स्वयंसेवक अपने बौद्धिक विकास के लिए बौद्धिक पर चर्चा में महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखकर कुशल वक्ता के रूप में अपनी बात रख रहे हैं । निर्धारित विषयों पर समझाइस दे रहे हैं। शिविर नायक गिरधारी लाल विश्वकर्मा उप शिविर नायक हर्षित दुबे स्वयंसेवक राजू लोधी हर्ष रघुवंशी प्रथम जैन अभिषेक लोधी नमन ऋषभ पटेल अरुण ठाकुर विकास गजेंद्र नमन पटेल अरुण ठाकुर नमन सेन आदर्श शिवांश पटेल कृष्णा कुशवाहा प्रशांत लोधी मयंक कृष एवं अर्पित पटेल स्वयंसेवक के रूप में सहभागिता कर रहे हैं।